



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 2]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 12, 1985 (पौष 22, 1906)

No. 2]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 12, 1985 (PAUSA 22, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—बंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असंविधिक वारेसों के संबंध में अधिसूचनाएँ

13

भाग I—बंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी भी नयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, वरोचतियों वालि के संबंध में अधिसूचनाएँ

33

भाग I—बंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हँडल्पों और असंविधिक वारेसों के संबंध में अधिसूचनाएँ

—

भाग I—बंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की नयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, वरोचतियों वालि के संबंध में अधिसूचनाएँ

41

भाग II—बंड I—अधिनियम, वास्तविक और विनियम

\*

भाग II—बंड 1—क—अधिनियमों, वास्तविकों और विनियमों का हिस्सी वाला में प्राविहृत पाठ

\*

भाग II—बंड 2—विवेक तथा विवेयकों वर व्यवर समितियों के विस तथा रिपोर्ट

\*

भाग II—बंड 3—उप-बंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राविधिक वारेसों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य संविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के वारेस और उपचिकियां जारी भी जातिएं (i))

\*

भाग II—बंड 3—उप-बंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राविधिक वारेसों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संविधिक वारेस और अधिसूचनाएँ

\*

भाग II—बंड 3—उप-बंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी जातिएं हैं) और केन्द्रीय प्राविधिक वारेसों (संच वासित लोडों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य संविधिक नियमों और संविधिक वारेसों (जिसमें सामान्य स्वरूप के उपचिकियों भी जातिएं हैं) के हिस्सी में प्राविहृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बंड 3 द्वारा बंड 4 में प्रकाशित होते हैं) \*

भाग II—बंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संविधिक विषय और वारेस

भाग III—बंड 1—उच्चतम व्यायालय, महासेवा परोक्षक, लंब लोड सेवा वायोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च व्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और वास्तीनस्व कार्यालयों पर जारी की गई अधिसूचनाएँ

765

भाग III—बंड 2—रेलवे वायोग, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएँ और वारेस

33

भाग III—बंड 3—मुख्य वायुसेवों के प्राविकार के वारेस वारेस द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएँ

—

भाग III—बंड 4—विविध अधिसूचनाएँ जिसमें संविधिक विकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएँ, अवेदा, विवायप और नोटिस जातिएं हैं

7

भाग IV—उप-सरकारी अधिकारी और ग-र-सरकारी नियासों द्वारा प्रिवाइट और बोहिस

5

भाग V—वारेसी और हिस्सी लोडों में जन्म और मृत्यु के घोषणे को विज्ञाने वाला अनुप्रूप

\*

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

## CONTENTS

	PAGES	PAGES	
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .. ..	13	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) .. .. ..	765
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .. ..	33	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. .. ..	—
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. .. ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. .. ..	33
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .. ..	41	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. .. ..	—
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .. ..	—	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations .. .. .. ..	—	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. ..	7
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .. .. ..	—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. ..	5
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. .. ..	—	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	—
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. .. ..	—		

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

## (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिस्तर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by, the Supreme Court]

गृह मंत्रालय  
(कार्यिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)  
लिपिक श्रेणी परीक्षा 1985  
के नियम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 जनवरी 1985

सं 9/3/84 के ०मे०-II—गृह मंत्रालय, कार्यिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन् 1985 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिए, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले विभाग में सम्मिलित किए जाएंगे) में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए ली जाने वाली प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के नियम सर्वसाधारण को सुनना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (व) प्रेड-II
- (ii) रेलवे बोर्ड मन्त्रिवालय लिपिक सेवा प्रेड-II
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा-प्रबन्ध श्रेणी प्रेड I
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा-प्रबन्ध श्रेणी प्रेड I
- (v) भारत के निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद
- (vi) समीक्षा कार्य विभाग, नई दिल्ली में भवर श्रेणी लिपिक के पद
- (vii) महानिरीक्षक, भारत मिल्डल सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में भवर श्रेणी लिपिक के पद
- (viii) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद उपरोक्त सेवाओं/पदों के लिए अधिमान आयोग द्वारा केवल उन्हीं उम्मीदवारों से आमंत्रित किए जाएंगे जो टंकंग परीक्षा में प्रविष्ट किए जाने के पावर हैं।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा समाचार पत्रों में जारी किए गए विभाग में निर्विष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आवक्षण किया जाएगा।

3. (1) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभियोग है जिसने सभ की सशस्त्र सेवाओं में, जिनके अन्तर्गत भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेवाएं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आसाम राष्ट्रकाल, सेना सुरक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियरी बल, लोक सहायक सेना और प्रावेशिक सेना नहीं आते, उपर्युक्त विभाग करने के पश्चात् कम से कम छह मास की नियन्त्रण अवधि तक किसी रैक में (चाहे योद्धा के रूप में या गैर-योद्धा के रूप में की है, और

(क) जिसे/उसके अपने अनुरोध पर या कवाचार अवधि के कारण पदबोधन या बद्धारत्ता के कारण अन्य किसी रूप में निर्मित कर दिया गया है, अवश्य गोरी गिर्मित तक के लिए रिजर्व की स्थानान्तरित भूत दिया गया है, या

(ख) जिसे यथा पूर्वोक्त निर्मित या रिजर्व को स्थानान्तरित किए जाने के लिए हक्कादार बनने के लिए अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिए प्रविधि से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिसे सभ की सशस्त्र सेनाओं में पावर वर्ष के सेवा पूरी करने के पश्चात् उसके अपने ही अनुरोध पर निर्मित कर दिया गया है।

(2) संविधान अनुसूचित जाति आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित) (मंष राज्य क्षेत्र), आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (सध राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति) सूचिया (संशोधन) रादेश 1956, बन्धू युनियन अधिनियम, 1960, पजाब युनियन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (युनियन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अमृत तथा कर्मचारी) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (भृत्यामात्र और निकोबार द्वारा समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश, 1962, संविधान (पाडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उन्नर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान गोद्धा, दमन और बीकां (अनुसूचित जन जाति आदेश 1968 तथा संविधान (नामांलंड) अनुसूचित जन जातिया आदेश, 1970 अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति आदेश (संगोष्ठी) अधिनियम, 1976 संविधान (मिक्रिम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

(3) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति में अधिग्राम निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी से सम्बद्ध व्यक्ति में है—

(क) बहुरे—बहुरे व्यक्ति एसे व्यक्ति है जिनको जीवन के सामान्य प्रयोग के लिए मुसने का बोध न हो, उच्चस्तर के साफ बोलने पर वे न तो बिल्कुल सुन सकते हैं और न ध्यनि को समझ सकते हैं, इस वर्ष में ऐसे मामले भी शामिल हैं जो ठीक कान (गम्भीर रूप से असमर्थ) 90 देशीबल से अधिक नहीं मुन सकते हैं अथवा दोनों कानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हैं।

(ख) शारीरिक रूप से विकलांग—शारीरिक रूप से विकलांग एसे व्यक्ति है जिसमें शारीरिक दोष हैं अथवा अंग—विकृति ही जिससे कायं करने में हड्डी, खेड़ियों तथा झोड़ों में सामान्य रूप से बाधा देता होता है।

संघीयता नयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का सचालन इस नियम के परिणाम—१ में दिहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में 'स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या

(ङ) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से गाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों जैसा, उगांडा सथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका व जंगी-बार) जामिया, मलायी, जेरे इथोपिया और बियतनाम से आया हो।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

(2) परन्तु पहली शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) तथा (घ) से संबंधित उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-1 में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है। परन्तु उसे नियुक्ति पत्र तभी दिया जा सकता है जब उसे वह मन्त्रालय/विभाग आवश्यक प्रमाण पत्र दे दे जो उस पत्र से सम्बद्ध हो जहां उम्मीदवार की नियुक्ति की संभावना हो।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी है कि पश्चात्ती अगस्त, 1985 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरी 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1960 से पहले और पश्चात्ती अगस्त, 1967 के बावजूद न हुआ हो।

(ख) उन भूतपूर्व सेनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की नियंत्रित सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना की कुल सेवा में तीन वर्ष की बुद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सेनिकों के लिए आवश्यक अवधि अनारक्षित सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी हास्त के द्वारा होंगे।

टिप्पणी :—उपरोक्त नियम (ख) के प्रयाजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मसारी की सशस्त्र सेना में आवाहन पर सेवा (कानून आप संविधान) की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

(ग) इन सभी मामलों में ऊपरिलिखित ऊपरी आयु-सीमा में नियन्त्रित और छूट होगी :—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सदूभाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यापरित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवास किया हो या करने वाला ही तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सदूभाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यापरित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 की भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्रवास किया हो या करने वाला ही तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसके कैनिया उगांडा, तंजानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रवास किया हो या जामिया, मलायी जेरे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सदूभाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से सदूभाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जनवरी, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशानिप्रस्त धोत्र में फौजी कार्यवाही और शास्त्रिकाल दौनों के दीरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्त कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशानिप्रस्त धोत्र में फौजी कार्यवाही के दीरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्त कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दीरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उम रक्त कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दीरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उम रक्त कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलत/भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजहूतावास द्वारा जारी किया गया आपात्काल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई 1975 पहले भारत नहीं प्राप्त है, तो उसके लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(xiv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अथात् जिसका कोई प्राप्ति नहीं हो तो अधिक से अधिक 10 वर्ष (अनुसूचित जातियों व जन जातियों के उन उम्मीदवारों के लिए, जो शारीरिक रूप से विकलांग हो हैं, शारीरिक रूप से विकलांग

उम्मीदवारों की मिलने वाली 10 वर्ष की आयु-कूट उन्हें खण्ड (1) के अन्तर्गत मिलने वाली आयु-कूट के अतिरिक्त होती है। और

(xv) ऐसी विविधाओं, तात्त्विकाओं, महिलाओं और न्यायिक तौर पर अपने परियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)।

(घ) उक्त ऊरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष तक की आयु की कूट वी जाएगी जो भारत मरकार के विभिन्न विभागों में तथा निर्वाचन आयोग के कार्यालयों में लिपिकों/महायात्रों/संकलकों/पंडार रक्काओं के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त है और 1-8-1985 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की नियन्त्रण सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की कूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध और आयीनस्थ कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा और (2) भारतीय विदेश सेवा (घ) (3) रेलवे सचिवालय सेवा और (4) मशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं, और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में बैठ रहे हैं।

(ङ.) उक्त ऊरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक कूट दी जाएगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और गम्भीर कार्यालयों में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकण के पदों पर नियुक्त है और 1-8-1985 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंकणों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की नियन्त्रण सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की कूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकण केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(न) ऊरी आयु-सीमा में सैनिक-लिपिकों का 45 वर्ष की आयु तक की कूट दी जाएगी जो सेना में अपनी कमर सेवा के अन्तिम वर्ष में है अर्थात् उनकी जो सेना में 2 अगस्त 1985 से पहली अगस्त, 1986 की अवधि में निवृत्त होने वाली है, ऐसे उम्मीदवारों को भूत्क में कोई कूट नहीं दी जाएगी।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की कूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को केवल मशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तसेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए ही, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं हैं, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(ङ). उन टेलीफोन अपरेटरों के लिए कोई ऊरी आयु-सीमा नहीं होगी, जो दिनांक पहली अगस्त, 1985 को विवेग मंत्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत् जारी रहेगी।

(ज) वार्षिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 4-7-1983 के कार्यालय जापन संघ्या 22011/15/81-स्थापना (घ) के अनुसार उन स्टाफ कार द्राइवरों के लिए 35 वर्ष तक की ऊरी आयु-सीमा में कूट दी गई है, जो घबर श्रेणी लिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए शैक्षिक रूप से अद्वैत रखते हों और जिन्होंने उक्त प्रेषण में कम से कम 3 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हो।

(झ) वार्षिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 5-7-82 और 10-5-84 के कार्यालय जापन संघ्य 14024/6/81-स्थान (घ) के अनुसार राजीवी/संघ राज्य क्षेत्रों में जनगणना कार्य निवेशालयों के छान्ती-ग्राम अस्थायी केन्द्रीय भरकारी कर्मचारियों के लिए भी ऊरी आयु-सीमा में कूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1—आक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छान्ताईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5(घ) के प्रयोगन के लिए विधिक क्रेड में की गई भानी जाएगी।

टिप्पणी 2—यदि किसी उम्मीदवार की उपर्युक्त नियम 5(घ) नियम 5(ङ.) और नियम 5(क) में उल्लिखित आयु संबंधी विधियों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन-पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, वह नौकरी से त्यागपत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं रामापूर्ण कर दी जाएं, तो उसकी उम्मीदवारी नदाव की जा सकती है, लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छान्ती हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

टिप्पणी 3—किसी लिपिक की जो भान सभाप्राधिकारी के अनुमोदन में किसी निःसंबंध पद (एस-केड-पीस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अस्थ सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने क्रिया जाएगा।

टिप्पणी 4—विदेश मंत्रालय में भाग ले रहे कार्यालयों/विभागों में काम कर रहा कोई स्थाई भ्रष्टवा अस्थाई टेलीफोन अपरेटर इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु किसी टेलीफोन अपरेटर को परीक्षा पास करने के लिए वहाँ से विधिक अवैसर प्रदान नहीं किए जाएंगे। जो टेलीफोन अपरेटर सभाप्राधिकारी के अनुमोदन से अस्थ असंबंध पदों पर प्रतिनियुक्त पर हो, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे यदि वे अन्यथा पात्र हों। मह उस व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अस्थ असंबंध पद या स्थानांतरण पर किसी अस्थ सेवा में नियुक्ति किया गया है, यदि उस समय टेलीफोन अपरेटर के पद में उसको पुनर्महणाधिकार है।

टिप्पणी 5—जहाँ तक इस नियम की उक्त श्वेती (घ) के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का संबंध है, यह परीक्षा ग्रहक होनी, प्रतियोगितात्मक नहीं। उनको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा। जो इस परीक्षा का एक भाग है। उन्होंने पहले सेवा टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी तो उहे इस अधीयोग द्वारा नी गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास करनी होगी। यदि वे यह परीक्षा पास नहीं करते। तो उन्हें कोई वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी जाएगी। जब तक कि वे कवित परीक्षा पास नहीं कर लेंगे। आयोग द्वारा सिफारिश किया गया था टेलीफोन अपरेटर केवल भारतीय विदेश सेवा घ-ग्रेड VI में निया जाएगा।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अन्वाना निर्धारित आयु-सीमाओं में किसी हालत में कूट नहीं दी जा सकती।

6. भारत में केन्द्रीय अध्यात्म विद्यालय मंडल के किसी शृंखलियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा अस्थ माध्यमिक विद्यालय उच्च विद्यालय के अस्थ में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अस्थ प्रमाण-पत्र जो उस राज्य मरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के भमक्ष माना जाता हो वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा आवश्यक पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी:—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो तिम के पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र ही जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी ऐसी शैक्षिक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2—कुछ विशिष्ट मामलों में जहां कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाय नहीं है केवल सरकार उसे अहता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक अहता प्राप्त हो जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति ने :—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अनुबन्ध किया है, जिसका/जिसकी पति/परीक्षा जीवित है, या

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह भेद में नियुक्ति के लिए, तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केवल य सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति को विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्थीकार है तथा ऐसा करने के अध्यकारण है और जब तक उसकी इस नियम से छूट न दे दें।

2. जिस व्यक्ति ने विवेशी राष्ट्रिक से विवाह किया है, वह भारतीय विवेश सेवा व ग्रेड-VI की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

8. जो उम्मीदवार पहले से स्थायी अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हो, वह परीक्षा में बैठने के लिए सीधे अपेक्षन कर सकता है परन्तु उसे टैक्स धरीका में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से एक अनापत्ति प्रमाण-पत्र भेजना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा भारीरिक बोध नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पत्र के प्रधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिहित डाकटरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाकटरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए विवाह किए जाने की सम्भावना होगी।

टिप्पणी :—भूतपूर्व रक्त व्यक्तियों/कामिकों के मामले में रक्त सेवा के सेव्य विचरण डाकटरी बोर्ड (डीयोलोलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की प्रक्रिया या अपावृत्ता के बारे में आयोग का निर्णय अस्तित्व होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार की परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके बास आयोग का प्रबोध-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. सशस्त्र सेना से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के विवाहन के अन्तर्गत शुल्क की छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का गलत किया हो तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अधिकारी भौमिका द्वारा नहीं जबकि उसने :—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अध्ययन सेवा से छूट रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को विवाह गया हो, अथवा
- (v) गलत या गूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण साय को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अध्ययन सेवा से अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित प्राचरण किया है, अथवा

- (ix) उपर्युक्त व्यक्तियों में अग्रलिखित सभी अध्ययन किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवधारित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक प्रभियोगी (किमिल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अधिकारी द्वारा जासकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अध्ययन एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अध्ययन के लिये,

(ii) केवल सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से बारित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो,

15. परीक्षा के बाद उन उम्मीदवारों की जींडंग परीक्षा में पानी होंगे अथवा जिनको छूट मिल जाएगी लिखित परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार की अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर अनेक श्रेष्ठतम-क्रम में रखा जाएगा तथा उसी क्रम में जिन्हें उम्मीदवार आयोग द्वारा परीक्षाओं में पास हुए पाए जाएंगे उनकी अनारकित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रिप्रायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के मदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर व्याप्त दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

आगे यह भी शर्त है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग सामान्य स्तर में रिप्रायत देकर भी अनुसूचित सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर व्याप्त दिए बिना ही उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

16. परीक्षा—परिणाम के आधार पर, नियुक्तियाँ करने यथा किसी उम्मीदवार द्वारा आयोग—पत्र देने समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बहाई गई प्रायोगिकताओं का सम्बिन्द ध्यान रखा जाएगा।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा—फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका नियंत्रण आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षा—फल के संबंध में उभयने कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवधारक जांच के बावजूद तक सरकार संतुष्ट न हो जाए, कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने भाव से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाए।

एप्प० जी० मण्डल, अवधि सचिव

#### परिशिष्ट—I

1. परीक्षा दो भागों में ली जाएगी अर्थात् भाग—I लिखित परीक्षा और भाग—II टंकण परीक्षा।

भाग I—लिखित परीक्षा—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

पत्र संख्या	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1. अंग्रेजी भाषा	150	1-1/2 घंटा	
2. सामाज्य अध्ययन	150	1-1/2 घंटा	

भाग III—टंकण परीक्षा—टंकण परीक्षा में लगातार टाइप करने की भागीय (रनिंग मैटर) का एक 10 मिनट का पत्र होगा।

2. अंग्रेजी भाषा तथा सामाज्य ज्ञान के प्रश्न—पत्र आधारीकृत टाइप के होंगे।

3. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग 2 में बैठने के लिए केवल वही उम्मीदवार पात्र होंगे जो लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार नियुक्ति किया गया एक स्पृहसंभव मानक प्राप्त करें।

4. परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे।

—(यह विदेश मन्त्रालय में नियुक्त टेलीफोन आपरेटरों पर लागू नहीं होता)।

टिप्पणी 1—: जिन उम्मीदवारों से संबंध लोक सेवा आयोग प्रथवा सचिवालय प्रशिक्षणालय या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान या अधीनस्थ मेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी 25 शब्द प्रति मिनट की गति से

पास हो जाए तो हाँ उन्हें इस परीक्षा में बैठने की अन्वयकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास को गई टंकण परीक्षा में अपना रोल तम्बर तथा परीक्षा की तारीख बनानी चाहिए।

टिप्पणी 2—: जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्वायी रूप से अवैध होने का वादा करता है, उसे गृह भवानीसय, कार्यिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से इस परीक्षा के देने और पास करने की जरूरी से सूट की जा सकती है बास्तव कि ऐसे उम्मीदवार को जब टंकण परीक्षा देने के लिए कहा जाए तो वह सभी विकिसा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से निर्धारित प्रपत्र में एक प्रमाण पत्र आयोग को प्रस्तुत करे जिसमें उसकी किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्वायी रूप से अवैध घोषित किया गया है।

5. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी दृष्टिगतीन लानों होंगी। स्टेन्डिंग सोर्ज के रोल वाली लानी टाइप के लिए काम दें सकती।

6. उम्मीदवारों को सूट होनी कि टंकण परीक्षा हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने वाली अन्यथा यह समझा जाएगा कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देने। एक बार जून हुआ विकल्प अनियम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध साधारणतः स्थीकार नहीं होगा। उम्मीदवार द्वारा जूनी गई भाषा के सिवाय किसी अन्य भाषा में टंकण परीक्षा देने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगे।

8. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिया गया है।

9. उम्मीदवार को सभी उत्तर अपने द्वाय से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में प्रह्लक (क्वालीफाई) अंक निर्धारित कर सकता है।

#### अनुसूची

भाग I—लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. अंग्रेजी भाषा तथा सामाज्य ज्ञान :—

(क) अंग्रेजी भाषा में प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द अंडार, वर्ण-विद्यास समानार्थक, विपरीतार्थक शब्दों का कितना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सभी और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है।

(ख) सामाज्य ज्ञान :—

भारत का संविधान, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति, भारत का सामाज्य एवं प्रायिक भूगोल, सामयिक घटनाओं और प्रतिवेदन वृष्टिगत्र होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा

उनके वैज्ञानिक पतों का अनुभव जिनकी जिनकी विनी शिखित व्यक्ति से प्राप्ता की जा सकती है। उम्मीदवार के उत्तर ऐसे होने आहिए। जिनमें यह पता था कि उन्होंने प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्वक समझ लिया है। नथा किनी पार्यक पुस्तक का विस्तृत अध्ययन नहीं किया है।

### परिणाम—II

उन सेयाओं/पतों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

#### (क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो श्रेष्ठ हैं :—

1. उच्च श्रेणी श्रेष्ठ रु 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।
2. अवर श्रेणी श्रेष्ठ रु 260-6-290-द० रो०-6-320-8-द० रो० 8-390-10-400।

2. अवर श्रेणी श्रेष्ठ में नियुक्त व्यक्तियों इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा यथा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। और विभागीय परीक्षाएं पास करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न लिखाने पर मथा परीक्षाएं पास न कर सकते पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीक्षाधीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है। या यदि उसका कार्य या आवश्यक सरकार की राय में अमंतोपजनक रहा हो, तो सेवा से निकाला जा सकता है। या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि त्रितीय बहाना उचित समझे, बहाना सकती है।

4. अवर श्रेणी श्रेष्ठ में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मन्त्रालयों या कायालियों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मन्त्रालय या कायालय में बदली भी हो सकती है। जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. अवर श्रेणी श्रेष्ठ में भर्ती किए गए व्यक्तित इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी श्रेष्ठ में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे। स्थायी या नियमित रूप से नियुक्त किए गए अस्थायी अवर श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस संबंध में यथानिर्विष्ट निर्णयिक तारीख को रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी श्रेष्ठ में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हों, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी श्रेष्ठ सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए ऊपरी प्रायु सीमा निर्णयिक तारीख को 45 वर्ष है।

6. अवर श्रेणी श्रेष्ठ में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख की कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके के बाद, रेल मन्त्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की श्रेणी “८” के लिए सी जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अवधि प्रायु सीमा निर्णयिक तारीख को 50 वर्ष होनी आहिए।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी श्रेष्ठ में उनकी इच्छा के अनुसार की जाएगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काहिर में अवदा रेलवे बोर्ड के मन्त्रालय लिपिक सेवा योजना में शामिल कितो पद पर स्वातान्त्र्य या नियुक्ति की मांग ही कर सकेंगे।

#### (ख) रेलवे बोर्ड मन्त्रालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड मन्त्रालय लिपिक सेवा रेल मन्त्रालय में नियुक्त अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की गई नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति, आदि रेलवे

बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा विषय, 1970 से जो समय-समय पर वने हैं, संचालित होती है।

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्नलिखित दो श्रेणियां हैं :—

उच्च श्रेणी लिपिक—रु 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560

अवर श्रेणी लिपिक—रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणिकों के श्रेष्ठ में ही नी जाती है। अवर श्रेणी श्रेष्ठ में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें किसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न लिखाने पर अधिकारी परीक्षा में अन्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. निम्न श्रेणी श्रेष्ठ में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी श्रेष्ठ में पदोन्नति के पात्र होंगे। ऐसे स्थायी अवधि नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित निर्णयिक तारीख को रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी श्रेष्ठ में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हों, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी श्रेष्ठ सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5. निम्न श्रेणी श्रेष्ठ में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा यथानिर्धारित निर्णयिक तारीख को कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके के बाद, रेल मन्त्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की श्रेणी “८” के लिए सी जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए ऊपरी प्रायु सीमा निर्णयिक तारीख को 45 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मन्त्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भांति अस्थाय मन्त्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के मध्यस्थ जो इन नियमों के प्रधीन भर्ती किए गए हैं :—

(1) पेंगम के लाग्नों के हकवार होंगे, और

(2) जब वे नौकरी में नियुक्त हुए हों, उस तारीख की नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू और अंशदायी राज्य रेलवे भविष्य नियमों के अधीन उस नियम में अंशदान करेंगे।

8. रेल मन्त्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भांति ही बराबर की मात्रा में प्रिविलेज पासों और प्रिविलेज टिकट बोर्डों के बृकदार होंगे।

9. जहाँ तक छट्टी तथा सेवा की अन्य गतियों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को, उसी प्रकार की सुविधाएं हैं। जैसी कि अन्य रेलवे कर्मचारियों को किन्तु जिकित्सा सुविधाएं हैं उन्हें दूसरे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनकी मध्यालय मई दिल्ली है, के समान हैं।

## भारतीय विदेश सेवा (ख) —ग्रेड-VI

बेतनमान : रु 260-6-290-द० रो०-6-326-व० रो०-8-340-10-400

भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-VI में नियुक्त किए गए अधिकारी, उक्त ग्रेड में आठ वर्षों की सेवा पूरी करने पर रु 330-10-380-व० रो०-12-500-द० रो०-15-560 के बेतनमान में ग्रेड-V में पदोन्नति के लिए पात्र हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-V प्रधिकारी उक्त ग्रेड में पांच वर्षों की सेवा पूरी करने पर रु 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 के बेतनमान में अपनी पात्री पर उक्त सेवा के ग्रेड-IV में नियुक्ति के लिए पात्र होते हैं।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-VI के अधिकारी, रु 330-10-व० रो०-12-500-द० रो०-15-560 के बेतनमान में उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के आधार पर सेवा के उप-संवर्ग में आणुलिपिकों के ग्रेड-III में पदोन्नति के लिए पात्र होते हैं।

4. ग्रेड-VI के ऐसे अधिकारी, जो स्तानक हैं, रु 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 के बेतनमान में, उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से भा० वि० से० (ख) के उप-संवर्ग में महायक के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए उम्मीदवार या सो मुख्यालय पर भारत के किसी भी स्थान में अधिका विदेश में जहाँ नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा उन्हें तैनात किया जाता है, किसी पद पर सेवा करनी होती है।

6. विदेश सेवा के दौरान, भा० वि० से० (ख) के अधिकारियों को, उनके मूल बेतन के प्रतिरक्षत, उन दरों पर विदेश भत्ता मंजूर किया जाएगा जो संबंधित मूलों के निवाह व्यय आदि के आधार पर समय समय पर मंजूर किया जा सकता है। इनके प्रतिरक्षत भारतीय विदेश सेवा (भा० ए० सी० ४०) नियम 1961 के अनुसार, जो भारतीय विदेश सेवा (ख) प्रधिकारियों के लिए लागू है, विवेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायत भी स्वीकार्य होती है:—

- सरकार द्वारा निर्धारित मानदण्ड के आधार पर निःशुल्क आवास
- सहयोगित चिकित्सा परिचर्या योजना के अधीन चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं।
- भारत में किसी निकट संबंधी, जिसका निर्धारण सरकार करेगी, की मृत्यु अथवा गंभीर बीमारी जैसी संकटकालीन परिस्थितियों के लिए अधिकारी की सेवा के दौरान इयटी स्थान से भारत में आने और वापस जाने संबंधी अधिकतम दो बार वापसी हवाई यात्रा व्यय।
- कलिपय शर्तों पर, भारत में अध्ययन कर रहे 6 से 22 वर्ष की आयु वाले बच्चों को छट्टी के दौरान अपने माला-पिता के पास जाने के लिए वार्षिक वापसी हवाई किराया।
- कलिपय शर्तों पर, अधिकारी के विदेशों में तैनाती स्थान पर अध्ययन कर रहे 5 से 18 वर्ष की आयु के बीच वाले अधिकतम दो बच्चों के शिक्षा संबंधी व्यय को सरकार पूरा करती है।
- उपस्कर भत्ता—रुपए 1,750/- विदेश में प्रति तैनाती
- निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारी और उसके परियार के लिए स्वदेश छट्टी यात्रा व्यय।

सेवा में नियुक्त, स्थायीकरण और वरिष्ठता संबंधी शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ख) (भर्ती संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति (नियम, 1964 के संगत उपबंधों और किन्हीं अन्य नियमों अथवा अदिशों जिन्हें सरकार बाद में बनाए द्वारा भी शासित होती हैं।

(ग) मानस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा समाजसेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड है:—

उच्च श्रेणी ग्रेड :—रु 330-10-380-द० रो०-12-500-व० रो०-15-560

अबर श्रेणी ग्रेड :—रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400

उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद अबर श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती के बल अबर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है।

2. अबर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की प्रब्रह्मिता तक परिवीकाशीन रहते हैं। यह अब्रह्मिता क्षमता अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अब्रह्मिता में असंतोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परिवीकाशीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है। परिवीकाशी की अब्रह्मिता में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पाप करनी पड़ सकती है।

3. अबर श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टि-करण तथा पदोन्नति के पात्र होते हैं।

4. मानस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किए गए अबर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली में स्थित समाजसेना मुख्यालय तथा अस्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जाएंगे। किन्तु लोक हित में सारत में कही भी उनकी बदली भी जा सकती है।

5. छट्टी चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो समाजसेना मुख्यालय तथा अस्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती है।

(द) संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का बेतनमान रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से 'चुनाव' करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की प्रब्रह्मिता के लिए परिवीकाशीन रखा जाएगा।

(च) भारत-तिथ्वत सीमा पुलिस

भारत-तिथ्वत सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का बेतनमान रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-400 है।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परिवीकाशीन होते हैं।

(छ) केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्बाचित आयोग

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का बेतनमान रु 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

2. केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्बाचित आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद के ० स० लि० से० में शामिल नहीं है।

3. नियुक्त किए गए अब्रह्मिता 2 वर्ष की अब्रह्मिता तक परिवीकाशीन होते हैं।

4. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 5 वर्ष तथा निर्बाचित आयोग में 8 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होते हैं।

## गृह मंत्रालय

## (कार्यालय और प्रशासनिक सूचारा विभाग)

## नियम

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1985

सं. 11013/1/84-आई. इ. एस.—निम्नलिखित सेवाओं में येड-IV की रिक्तियाँ के भरने के लिए 1985 में संभ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय अर्थ सेवा, और
- (2) भारतीय मांस्यकी सेवा

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियाँ की संस्था आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएंगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियाँ का आरक्षण सरकार द्वारा वथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संभ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम-IV में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

## 4. उम्मीदवार :—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा
- अवश्य हो या
- (घ) ऐसा विविती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया था, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीर्णिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जार्जिया, मालदी, एरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृत्त कर आया है।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र हीना जाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रसाद केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी जाय 1 जनवरी, 1985 को 21 वर्ष पूरी हो किन्तु 26 वर्ष न हो हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1959 से पहले और 1 जनवरी, 1969 के बाद का न हो।

(ख) उपर दी गई अधिकतम आय सीमा प्रे निम्न-विवित मामलों में छोट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक बाठ वर्ष।
- (4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्त किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्त किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (6) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो), है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विद्यतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है, और जो विद्यतनाम से जूलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और विद्यतनाम से बस्तूतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास विद्यतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो विद्यतनाम से जूलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक बाठ वर्ष तक।
- (8) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (9) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्त किया हो तो अधिक से अधिक बाठ वर्ष।
- (10) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति ग्रस्त क्षेत्र में काजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (11) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में काजी कार्यवाही के दौरान विक-

लांग होने के फलस्वरूप सेवा में निर्मकता किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अन्सूचित जाति या अन्सूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार (संयुक्त गणराज्य से प्रवेशन किया हो या जांबिया, मालावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हों तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(13) यदि उम्मीदवार अन्सूचित जाति या अन्सूचित जनजाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हों या जांबिया, मालावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/सहित) ने 1 जनवरी, 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बखास्त या सैनिक सेवा से हृदय शारीरिक अपेंगता या अक्षमता के कारण कार्यमूक्त न होकर अन्य कारणों में कार्यकाल के समापन पर कार्यमूक्त हृदय है (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1985 से छः महीनों के अंदर पूरा होना है) उनके मालमें मैं अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/सहित) ने 1 जनवरी 1985 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बखास्त या सैनिक सेवा से हृदय शारीरिक अपेंगता या अक्षमता के कारण कार्यमूक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमूक्त हृदय है (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1985 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अन्सूचित जातियों या अन्सूचित जनजातियों के हैं उनके मालमें मैं अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की जवाहिर के दौरान भारत प्रवेशन कर चका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(17) यदि उम्मीदवार अन्सूचित जाति या अन्सूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की जवाहिर के दौरान भारत प्रवेशन कर चका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयोग सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिये उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विभान भंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम, 1956 द्वारा स्थापित या

विश्वविद्यालय अनदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सामिक्षकी विषय सहित छिपी होनी चाहिए और भारतीय सामिक्षकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सामिक्षकीय या गणित या अर्थशास्त्र सहित डिप्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।<sup>1</sup>

**टिप्पणी 1 :** यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु वही उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों, तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर, 1985 तक प्रस्तुत नहीं करते हों तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

**टिप्पणी II :** विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा मंचालित कोई ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों, जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित मानते हैं।

**टिप्पणी III :** यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अहंता प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विशेषी विश्वविद्यालय से डिप्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नांटिस के पैरा 6 में निर्धारित कीमि अवश्य देनी होगी।

8. मभी उम्मीदवार जों सरकारी नौकरी में आकास्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैं सीयत से या कार्य-प्रभारित कर्मचारियों की हैं सीयत से काम कर रहे हैं अथवा जों सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवर्चन (अंडरटर्निंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित स्पष्ट में अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को संचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग कों उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से गम्भीर अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में छूटने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निषेध अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमीशन) न हो।

## 11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूटे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छूपाया हो, अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तकों पर असंगत वार्ताएँ लिखी हों जो अद्वैत भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दर्द्धव्याहार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की धारारौक धर्ता पहचान हो, अथवा
- (xi) उम्मीदवारों को भेजे गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा
- (xii) पूर्वोक्त स्थानों में उल्लंघन सभी अभवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवधिरेत्र करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्षण) लगाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—
  - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बढ़ने के लिए अयांग छहराया जा सकता है, अथवा
  - (ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अभवा अध्यन से
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपर्याप्ति किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुसास-निक कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति सब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उसने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करें

तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित विकासों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंदिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों के आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनको इन विकासों पर नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी अनारक्षित विकासों को भरने का निर्णय किया जाता है ये नियुक्तियां उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित विकासों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित क्षेत्रों में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी, बाश्तर्ते कि ये उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपर्युक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सचिना किस रूप में और किस प्रकार वी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा, आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से प्रश्नाचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठे रहा हो तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय व्यक्त किए गए बरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाएँ गए बरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंधित किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक एसा बनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की “रोजगार गम्भीरार” में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए, कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्ति की इच्छा से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और धारारौक इच्छा से स्वरूप होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा धारारौक दोष नहीं होना चाहिए जिससे सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता है तो नियुक्ति नहीं की जाए। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी :—वहीं निराकार न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में नियमों के परिशिष्ट III में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हए तथा उसके फलस्वरूप निर्भक्ति हए सेविकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में दी जाएगी।

## 18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने की अन्य कारण भी है तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

पी. जी. लेले, निदेशक (ई. एस.)

## परिशिष्ट

यह परीक्षा निम्नलिखित माजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग I—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग I—आयोग इवारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उत्तर के लिए मार्गिक परीक्षा इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) दीखाए जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अंतर्गत लिखित परीक्षा में समिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है:—

क्रम सं.	विषय	फोड स०	प्रधिकारित विषय गया अक्ष	विषय समय
1	2	3	4	5
क. भारतीय अर्थ सेवा				
1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सामान्य अर्थशास्त्र-I		200	
	भाग-I	03	50 अंक 1 घंटा } 3 घंटे	
	भाग-II	04	150 अंक 2 घंटे } 3 घंटे	
4.	सामान्य अर्थशास्त्र-II		200	
	भाग-I	05	50 अंक 1 घंटा } 3 घंटे	
	भाग-II	06	150 अंक 2 घंटे } 3 घंटे	
5.	भारतीय अर्थशास्त्र		200	
	भाग-I	07	50 अंक 1 घंटा } 3 घंटे	
	भाग-II	08	150 अंक 2 घंटे } 3 घंटे	

टिप्पणी भ्यान:—उपर्युक्त क्रम सं. 3 से 5 तक के विषयों के प्रश्न-पत्रों को मास्टर में यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर परीक्षा भवन से नहीं पहुंचता है और प्रश्न-पत्र के भाग की परीक्षा में प्रवेश नहीं ले पाता है तो वह उक्त प्रश्न-पत्र के भाग में प्रवेश का पाता नहीं होगा।

## (ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

1. सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2. सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3. सांख्यिकी I	09	200	3 घंटे
4. सांख्यिकी II	10	200	3 घंटे
5. सांख्यिकी III	11	200	3 घंटे

टिप्पणी —सामान्य अंग्रेजी सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न-पत्र में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी I—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न-पत्र के भाग में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग में संक्षिप्त उत्तर और निर्बन्ध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी II—भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 से 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निर्बन्ध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट V अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं, नोटिस के अनुबंध 11 पर उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका दीखाएं।

नोट उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक बंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुछ अंकों में से कुछ कट दिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में संव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यक्ति को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो तो लोंगों और मापों की केवल मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को परंपरागत (निर्बन्धात्मक) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलेक्युलेटर परीक्षा भवन में नामे और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलेक्युलेटर भाग ने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह भ्यान, रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न-पत्र (परीक्षा पृस्तिका) का उत्तर देने के सिए कैलेक्युलेटर

का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हे परीका भवन में न लाएं।

11. उम्मीदवारों के प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 अंक) का ही प्रयोग करना चाहिए।

### जनसूचित भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के इंजेंगिनियरिंग से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिप्लोमा परीका के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थात् वे भारतीय सांख्यिकी के क्षेत्र (क्लेन्ड्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

### सामान्य अंग्रेजी (कोड सं. 1)

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों के अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का क्षेत्र प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

### सामान्य अध्ययन (कोड सं. 02)

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी क्षमिता होनी और कुछ ऐसे सामले भी होंगे जो वैज्ञानिक निरीक्षण और अन्तर्राष्ट्रीय से संबंधित हैं और जिनको वैज्ञानिक हृष्टिकोण से एक पढ़ा-लिखा जावायी समझ सकता है। इस प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

### सामान्य अध्ययन I (भाग I के लिए कोड सं. 03)

#### और भाग II के लिए 04)

उपभोक्ता की मांग का सिद्धान्त: तटस्था बक, विश्लेषण, प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त, उत्पादन के तत्त्व, उत्पादन क्रूर्य, प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उत्पादन का संतुलन।

मूल्य का सिद्धान्त: विषयन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धान्त: उत्पादन के तत्त्वों का मूल्यन, भाषा माजदूरी, व्याज और लाभ के सिद्धान्त, विशाल वितरण सिद्धान्त, संकलन समस्या आम वितरण में असमानताएं।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र: प्राथीम और नवीन कल्याण मूलक अर्थशास्त्र, कठीतपूर्ति, नियम, वैतितमूलक ग्रंथियाँ:—

राष्ट्रीय आय की अवधारणा: सामाजिक लेखा, नियोजन का सिद्धान्त निपिज और मद्रासकीत, धार्मिक और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कौन्स का सिद्धान्त और कौन्स के बाद की गतिविधियाँ।

### सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I के लिए कोड सं.

#### 05 और (भाग II के लिए 06)

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धान्त

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं। जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन; अवधारणा और पद्धतियाँ:—आर्थिक संगठन की पूँजीवाही और समाजवादी प्रणालियाँ के अस्तरगत आयोजन, परिवहन्यात्मक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निधारण और प्रविधियों का व्यय।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें व्यापार नीति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार शर्तक पद्धति के सिद्धान्त।

भूगतान संतुलन: भूगतान संतुलन में असमानताएं समजन की प्रक्रिया विवेश व्यापार, विनियम की वर्ते, आयात और नियम नियंत्रक।

आइ. एम. एफ. और अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य सुधार: जी. ए. टी. टी. आर्थिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता, आई. ए. ए. आर. डी. और उसके अनुबंध।

मुद्रा: उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केंद्रीय और वाणिज्यिक दौकाँ के कार्य।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य: कराधान और व्यय के सिद्धान्त सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव, और घटन-घटाए की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक कृष्ण का सिद्धान्त।

अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय असरों और विचलन के माप मूल्यों और परिणामों के सूचकांक उनकी सीमाएं।

### भारतीय अर्थशास्त्र (भाग के लिए कोड

#### सं. 07 और भाग II के लिए 08)

भारतीय अर्थशास्त्र के बुनियादी लक्षण-विकास तंत्र की और उत्पादन की भूमिका-विवेश व्यापार की भूमिका-संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन: उत्पादन, प्राथीमिकताएं और समस्याएं—पर्यावरणीय योजनाएं—साधन संपादन की समस्या।

कृषि: नया कृषि तंत्र—भूसंबंध और भू सुधार—देहाती साज सिंचाई और उर्धवरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फसल आयोजन—सामुदायिक विकास—उपजीविका और ग्रामोद्योग।

सहकारिता: ग्रामीण विकास में इनका स्थान—भारत में सह-कारी आंदोलन का विकास।

उत्पादन: आधिगणक विकास का व्यूह—स्थल निवेश की समस्या—उत्पादकार और लष्ट उत्पादों की समस्याएं—आधिगणक नीति—आधिगणक संपदाएं—आधिगणक वित्त के संसाधन—विवेशी पूँजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्यम : संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम: रोजगार, बेयोजनारों और कम रोजगारी—आधिगणक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति।

विवेशी व्यापार: भारत के विवेशी व्यापार की प्रभुत्व विवेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भूगतान संतुलन।

मुद्रा और बैंकिंग: भारतीय मुद्रा विषयन का संगठन—वाणिज्यिक दौकाँ और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति।

सार्वजनिक वित्त: वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की पूर्ति—कानूनी नीति—संघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्य के बीच वित्तीय संबंध।

### सांख्यिकी—1 (कोड सं. 09)

नोट: केवल वस्तुपरक (वहुविकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्राविकता (40 प्रतिशत प्रधानता) माप सिद्धान्त के तत्त्व—प्रसिद्ध परिभाषा—और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिवर्द्ध अवधारणा संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्राविकता—प्रतिवर्द्धित प्रायिकता—बेर्स का प्रमेय—असंबंधीता वितरण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बरनीली, समरूप, द्विपदीय, पाइसन, अप्राप्यीय, आयत, धारीय सामान्य, कार्शी, पराज्याह मितीय, वहुपदीय, लाल्सेस, ग्रृहणविविधी, बीटा, गामा, लघुसामान्य तथा तंकलित वाइसन वितरण—अभिसरण, वितरण में, प्रायिकता में और प्राविकता एक के साथ और माध्य वर्ण में—ग्रान्यून और संचायक-गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंध अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और जाधूर्ण तथा प्रायिकता जनक कलन—विलोम विस्तरण और सातत्व सिद्धान्त—टेक्नोइंजीन और कोलोमोरोव असामान्य—बहुत संख्या नियम और स्वयं विचरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धान्त।

### सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथाओं का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—घाटे, आयाम और हिस्टोग्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विकल्पण और विषमता का माप दिव्यचर और बहुचर तथ्य—साहचर्य और आसंग—वक्र समजन और लांबिक वहुपद—द्विव्यचर वितरण—द्विव्यचर आमान्य वितरण समाश्रण्य, रेखीय वहुपदीय—महसंबंध गुणांक का वितरण—आंशिक और बहुल सहसंबंध अंतर्गतीय महसंबंध—सहसंबंध अनुपात।

मानक त्रुटियां और बहुत प्रतिवर्द्ध—परीक्षण प्रतिवर्द्ध वितरण x, s, t, x, वर्ग और—एक—इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—और परीमितीय परीक्षण—साइन, मीडियम, रम, विलोम-कांक्षण, जनवैटनी, थाल्ड बूल्कीबिल्ज आदि—वरीयता श्रम सांख्यिकी—अन्यतम, अधिकतम, रेज और मीडियम।

### जांकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लांग रेज, न्यूटन-ब्रेगरी न्यूटन (विभाजित अंतर), गास और एस्ट्रोलिंग पर प्रतिविलित अकारेशन सूत्र (शेष संभावना सहित),—ब्लैर अस्सार्न का—संकलन सूत्र—विलोम जनतर्वेसन—आकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथम गुणांक का विभेद समीकरण—स्थिर गुणकों के साथ एक आसीय विभेद समीकरण—

### सांख्यिकी—11 (कोड सं. 10)

नोट:—केवल वस्तुपरक (वहु, विकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे।

### एकाकातीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)।

एक आसीय आकलन का सिद्धान्त—गास ग्राकाफ प्रतिष्ठान—कैनिष्ट वर्ग आकलन—जी—विलोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा बगीकृत तथ्य का क्रिलेड—निश्चित, निश्चित और याइट्रिक्युल प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रण गुणकों के लिए परीक्षण—

### आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अस्ट्रो आकलन के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कैनिष्ट वर्ग आशूर्ण और कैनिष्ट वर्गों की आकलन पद्धतिया—अत्यधिक संभावना आकलन—केवर राव असमानता—भट्टाचार्य परिसीमाएं—पर्याप्त आकलन गृणन खड़न प्रमेय—सम्पूर्ण ऑफ़—राव—ब्लैकावेल प्रमेय—विश्वास अंतकाल आकलन—इष्टम विश्वास परिसीमाएं।

### परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और अटिक्स परिकल्पना—ये प्रकार की त्रुटियां—कैंटिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के कैंटिक क्षेत्र—धातु, फ्लैन—अत्यन्त प्रभावशाली और समान रूप से अत्यन्त प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, परिसन आधारभूत—जनभन्स परीक्षण—स्थालीए लाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—बाल्ड का SPRT—OC—र फ्लैन—निर्णय के प्राथमिक तत्त्व और छोल सिद्धान्त।

### बहुपर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—मध्य प्रबारक का बाकलन और सहजारिता व्यूह—होटेलिंग का स्थितिक—महत्वान्वित का स्थितिक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिवर्द्ध में वांशिक और बहुत सहसंबंध गणांक—विश्वास का वितरण, उसका प्रतिस्पृष्टात्मक और अन्य स्वभाव—विभक्त का निष्कर्ष—विवेष्यात्मक फलन—इमुख बटक—नियमनुसार विचर और सहसंबंध—

### सांख्यिकी—111 (कोड सं. 11)

नोट:—केवल नियंत्र शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिन में सुदीर्घ और अटिल निरूपण आवश्यक न हों।

### भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

### प्रतिवर्द्ध प्रतिविभवां (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाया प्रतिवर्द्ध सज्जेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रसिद्ध सर्वेक्षण—प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल या दीप्तिक्षणक प्रतीत व्यय और प्रतिविवाँ आवंटन—लागत और विचरण फ्लैन—आकलन की जानूपातिक और समावयी पद्धतियां—आकार के समानूपात में प्रायिकता सहित प्रतिव्यय—संकुल, द्वारा, बहुरूपी, महुस्तरीय और अव्यक्तिस्थित प्रतिव्यय—ब्रेंस, प्रक्षेत्री उप प्रतिव्यय—प्रतिव्ययन्तर त्रुटियां।

### जर्ख सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय छोड़ी के बटक—उसके निर्धारण की विभिन्नां—विचरण विभेद पद्धति—थूल, स्लस्की, द्रव्यात्—सहसंबंध वित्र—प्रथम और द्विव्यातीय कम के स्वयं समाश्रणीय प्रतिवर्द्ध—समावधि वित्र का विश्लेषण—मूल्यों वाले परिणामों के सूचकांक और उनके सापेक्ष गुण—धोके और लुद्रारा मूल्यों के सूचकांक की रक्कन—आय वितरण—पैरिटों और इन्गल बक—एकाग्रता बक—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियां—हांडातर प्रबाह—जनतरी-सांख्यिकी तालिका।

### भाग (ब)

(उभीद्वार निम्नांकित विवरों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं)।

### (i) सांख्यिकीय गण नियंत्रण और परिचालन अनसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)।

विचरणों और गणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक वित्र—गणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिव्यय—प्रकल्प, द्रव्यक्ष, बहुरूप और भाष्यलाम्लक प्रतिव्यय माजिनाएं—

OC और ASN—फलम—AOQL और ATI को धारणा—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिक्रिया—इंद्रज रामिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अधिगम—रेखांगत कार्यपात्र के प्राथमिक तत्व—सिस्टेम प्रक्रिया—परिवहन और नियन्त्रण समस्याएँ—इंद्रधारणकर्ता का नियन्त्रण—एकल और बहुल आवधिक सूची नियन्त्रण के नमूने विश्लेषण रेखा प्रतिक्रिया के लक्षण—

M/MABLLC नमूने आम नकली की समस्याएँ—नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जननिकी और जन्म-मरण अंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-तालिका, उसका नियांण और लक्षण—मेक्लूम और गामपट्टम वर्क—गल्डरीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्र सेवा की जीवन तालिकाओं के नमूने—संधिपत्र जीवन तालिकाएँ—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ—कल प्रजनन गतियाँ—कल और निवल उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—मरनकीकृत मरण गति—अंतर्रिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रजनन—निवल प्रजनन अंतर्राष्ट्रीय और जनसंगणनोत्तर आकलन—सृष्टि, धारी वक्त संज्ञन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में विश्वासीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्णरूप से या हानिकारक बनाए गए यादीकृत संड और रैटिन चौक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगणित प्रयोग और २<sup>३</sup> और ३<sup>३</sup> प्रयोगों में संभ्रम—संड और उपसंड अभिकल्प—संतुलित और अदृष्ट संतुलित अपर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहकारिता का विश्लेषण—लूप और मिश्रित व्यूह के तथ्यों का विश्लेषण।

(iv) अर्थमिति (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धांत और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोक—संरचना और नमूना—एकल भर्मीकरण शैली में ग्राम्यता का आकलन—परम्परागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अत्यतम वर्ग—विप्रदेशीय क्रमांगत सहसंबंध—बहुल समरसीयता—विचार प्रतिक्रिया में वृद्धियाँ—समकालिक सभीकरण प्रतिक्रिया—तदात्मकता, वरौपता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परीक्षा अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक अर्थिक भविष्य कथन।

भाग ख

### मौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों के साक्षात्कार संयोग और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सवारीण जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्ति की हाई से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से जांच की जाएगी कि वे केवल अपने विद्वान्यन के विषेश विषयों में ही सूक्ष्म-वृक्ष के साथ लूच न लेते हैं, अपित् उन जटिलाओं में भी लूच लेते हैं, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर छट रही हैं तथा आधिक विचारधाराओं और उन नई सूजों में लूच लें जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं, अपित् स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन मुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की व्यक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक सतकर्ता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित

निर्णय और मानसिक सतकर्ता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक हृषीभावारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के प्रत्याक्षर पर विशेष बल दिया जाएगा।

### परिशिष्ट—।।।

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही हैं, उनका मंक्षिप्त व्यूहारा :

1. जो उम्मीदवार दोनों से में किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियंत्रित उस सेवा के शेड-4 में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि के अंताया भी जो सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के नियन्त्रित सार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आकरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यक्षमता की सम्भावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा में न कर सकती है।

3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तस्थान पर पकड़ा कर दिया जाएगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांस्कृतिक सेवा के निर्धारित वेतनमान निम्नलिखित हैं—

वयन शेड रु 2000-125/2-2250

(नान फंक्शनल)

शेड—। निदेशक रु. 1800-100-2000

शेड—।। संयुक्त निदेशक रु 1500-60-1800

शेड—।।। उप निदेशक रु 1100-50-1600

शेड—सहायक निदेशक रु 700-40-900-इ. रु. -40  
1100-50-1300।

6. उक्त सेवा के अगले शेड-IV में प्रदत्त समय-समय पर यथासंसोधित भागीदारी अर्थ सेवा/भागीदारी सांस्कृतिक सेवा नियमों के उपर्यांत्रों के अनुसार की जाएगी।

भागीदारी अर्थ सेवा/भागीदारी सांस्कृतिक सेवा के अधिकारी को जनरलीय भरकार के अंतर्गत भारत में कहाँ भी या भारत की बाहर कार्य करने के लिए नियन्त्रित किया जा सकता है अथवा इनकी किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार भूमिगत में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियन्त्रित अर्थ भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारीयों की सेवा की शर्तों नथा छटटी तथा गेंदन हायादि अर्थ केंद्रीय सिविल सेवाओं ग्रप 'क' के गदराओं पर नार इन्सेवाले जिसमें द्वारा शामिस द्वारोंगी।

8. गविष्ट नियंत्रित की जानें वही है जो सामान्य भविष्य नियंत्रित (केंद्रीय सेवाएँ) नियन्त्रित भागीदारी में उल्लिखित है किन्तु एसे संशोधनों की राज्य द्वारा नार ग्रप मध्या-समय पर सरकार द्वारा किए जाएँ।

पर्याप्ति—111

## उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[ये विनियम उम्मीदवारों की स्वीकृति के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा गए कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एक्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे भविकार या अम्बीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।]

1. नियंत्रित के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जल्दी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियंत्रित के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पाने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की ओर, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के उपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे जावहार में लाएं। यदि व्यजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अधिकार अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा— वह अपने जूते उतार देंगा और उस मापदण्ड (स्टेनडर्ड) से, इस प्रकार सटा कर सड़ा किया जाएगा कि उसके पांच आपस में जड़े रहे और उसका वजन सिवाय एंडियों के पांचों को उंगलियों या क़िसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा छड़ा होगा और उसकी एंडियां, पिडिनियां, नितन्त्र और कल्घे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी, नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बट्टेंस आफ दी हड़ लेवल) हारिंजन्टल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है—उसे इस भाँति छड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जड़े हों, और उसकी भूजाएं सिर से उपर उठी हों। फीले को छाती के गिरे इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका उपरी किनारा असफलक (शॉल्डर ब्लैंड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-ए-एलेस) से लगा और फीले को छाती के गिरे ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिंजन्टल प्लेन) में रहे। फिर भजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीला अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89., 86-93 आदि। माप का रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटरों में कम से कम के भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किनारों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रेशन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (अ) उम्मीदवार की नजर का जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(स) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम नीमा (प्रिनिमस निमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मासले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (डैटिंग इंफारमेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर	तज़ीकी की नजर
मध्यी आंख (ठीक की हूँड़ दृष्टि) <sup>1</sup>	बाराब आंख (ठीक की हूँड़ दृष्टि)
6/9	6/9
■	■
6/9	6/12
	जे० I
	जे०-II

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।

(घ) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मासले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की एसी रोगात्मक दशा हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकालता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(इ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ्रेंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि की जांच की जाएगी। यदि एम्बी जांच का नतीजा असंतोषजनक या मंदिगम हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेरोमीटर पर सिध्धार्थित किया जाना चाहिए।

(ज) रत्नोंथी (ताइट लॉग्लैन्डेस)—साधारणतया रत्नोंथी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी के कारण और (2) टीनों के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटी-नॉटिस फिग्मेंट्रिमा होती है। उपर्युक्त (1) में फैंडस की स्थिति सामान्य होती है, साधारणतया छोटी आय बाले व्यक्तियों से और कम खारक पाने वाले व्यक्तियों में विश्वार्ड देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के बाने में ठीक हो जाती है। उपर बताए गए (2) वीं विषय में फैंडस प्रायः होती है और अधिकांश मासलों में क्लेन फण्डस की परीक्षा में ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का गर्भी प्रौढ़ होता है और व्यांक की कमी से पीड़न भर्ती होता है। सरकार में उन्हीं नौकरियों के लिए प्रयत्न बनने वाले व्यक्ति इस वर्ग से आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के नियंत्रण अनकलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के नियंत्रण विशेषज्ञता जव फैंडस न हो तो इलैक्ट्रोट्रैनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनकलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है। और विशेषज्ञ प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों के ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि रन्धीं के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएँ क्या हैं और उनकी ड्रेटी किम तरह की होगी।

(झ) दृष्टि की नीक्षणता से भिन्न आंख की अवस्थाएँ (वाक्य-लर कॉंडीशन)।

(।) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हूँड़ अपवर्तन नूट्रिटि (प्रोट्रोट्रेसिव रिफ्रॉक्टिव एरर) का, जिसके परि-

पापस्वरूप इटिंग की नीक्षणता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

(11) भेंगापन (स्कॉर्वट) : तकनीकी सेवाओं में, जहां द्विवनेशी (काइनोकूलर) इंजिन की तीक्षणता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहीए। इंजिन की तीक्षणता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(111) गांक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की इंजिन ही सामान्य हो और दूसरी आंख की मत्त्व इंजिन हो अथवा अप सामान्य इंजिन हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध हत्ते त्रिविम इंजिन का अभाव होता है। इस प्रकार की इंजिन क्रृति गिरिवल पदों के लिए अवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बांड़ यांग भासकर अनुशासित कर सकता है। बशते कि सामान्य जांघ :

(1) को दूर की इंजिन 6/6 और निकट की इंजिन जे. 1 का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो, बशते कि दूर की इंजिन के लिए किसी भौरिडियन में नूटि 4 डायोप्ट्रिस से अधिक न हो।

(11) की इंजिन का पूरा क्षेत्र हो।

(111) की सामान्य रंग इंजिन जहां अपेक्षित हो।

ब्राह्मणों की बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नावीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कार्टेक्ट लैंस :—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कार्टेक्ट लैंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होती। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए हुए अक्षरों का उद्भासन 15 फट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

## 7. ब्लड प्रैशर (;

ब्लॉक प्रैशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामांत उच्चतम सिस्टालिक प्रैशर के आकलन की काम ब्लाइंड विधि नीचे दी जाती है:—

(1) 15 से 25 वर्ष के यथा आय से अधिक व्यक्तियों में औंसेत ब्लड प्रैशर लगभग 100 जमा आय होता है।

(11) 25 वर्ष से ऊपर आय वाले व्यक्तियों से ब्लड प्रैशर के अंकितन करने में 110 में आधी आय आड़ देने का तरीका विन्कल मंत्रोषेजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के उपर के सिस्टिलिक प्रैशर की ओर 90 एम. एम. से अपर डायस्टिलिक प्रैशर को संविधान मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य लहराने के मंबंध में अपनी अस्तित्व राशि बनें से पहले बोर्ड को चाहिए, कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह एक लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइट-

मेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केमों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफिक) परीक्षा और रक्त यरिया निकास (किन्नथर्म) की जान्च भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

### खलूँ प्रैशार (रक्त दाब) सेने का तरीका

नियमित पारे वाले दावातरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बराते कि वह आर विशेषकर उमसकी भजा शिथिल और आराम से हो। कृष्ण हारि-जॉटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भजा को आराम से सहारा विद्या जाए, भजा पर, भे कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से परी तरह हवा निकाल कर बीच की रवड़ को भजा के अंदर की ओर रख कर और इसके नीचे किनारे की कहेनी के मोड़ से एक या दो इंच उत्पर करके लगाना चाहिए। हमके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फैल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मांड पर प्रगड़ धमनी (बॉक्सिंग आर्टरी) को दबा-दबा कर ढंडा जाता है और तब तक इसके ऊपर बीओ-बीच स्टेथ स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भरी जाती है और इसके बाख इसमें से भीरे-भीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का काम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रैशर दबार्ता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां विन तेज सनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की वज्री हुईं सी लूप प्रायः हो जायें, वह दायस्टालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लंबे समय का दबाव रोगी को लिए धोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चिन्त स्तर पर ध्वनियां मनाई पड़ती हैं, दाढ़ गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पनः प्रकट हो जाती हैं) इस साहने टंगै से रीडिंग में गलती हो सकती है।

८. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मन्त्र की परीक्षा जीनी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब डिक्कल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मन्त्र में रासायनिक जांच वारा शक्कर का पता लेते हों तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहले बोर्डों की परीक्षा कर रेंगे और मध्यमें (डायग्राफीज) के दोतक शिर्हों पर लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट कर रेंगे। यदि योर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोसरिया) के मिलाएं, तो उस डिक्कल फिटनस के स्टैडर्ड के अनुरूप पाएं तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि योर्ड जमेह अमध्यमेही (नान डायग्राफिक) हो और बोर्ड केस का डिस्चिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके सम्म अस्पताल और प्रयोगशाला की संविधाएँ हैं, मैट्डिकल विशेषज्ञ स्टैडर्ड इनड शगर टालरस टैस्ट समते जो भी किलनिक व लेवोर्टेरी परीक्षा जल्दी समझेगा कर रेंगे और वापनी अपोर्टेंट मैट्डिकल बोर्ड को भेजे देंगे जिस पा मैट्डिकल बोर्ड

को “फिट” या “अनफिट” की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जल्दी नहीं होगा औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जल्दी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी बेंच-रेस में रखा जाए।

9. यदि जन्व के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर से अरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की सारी रूप से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अंतिरिक्त बासों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शाल्य किया (आपरेशन) या हिपरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशत् कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्रार्थिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी ही जानी है :—

1. एक कान में प्रकट अधिक पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।

2. दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोन्ड जिसमें श्रवण यंत्र (हिपरिंग एड) द्वारा कुछ मुधार संभव हो।

3. सदून अधिक मार्जिनल टाइप के टिम्पोनिक ऐम्ब्रेन में छिपे हों।

यदि उच्च फीवरेंसी में बहरापन 30 देर्सीमल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फीवरेंसी में बहरापन 30 देर्सीमल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य है।

(i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पोनिक ऐम्ब्रेन में छिपे हो तो अस्थाई आधार पर अयोग्य। कान की शाल्य-चिकित्सा की स्थिति मुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अच्छे छिपे वाले उम्मीदवारों की अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (ii) के अधीन विचरि किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिपे होने पर अयोग्य (3) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिपे होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।

4. कान के एक ओर से/दोनों ओर (1) किसी एक कान के सामान्य से मस्टायड कैबिटी से तबस नार्मल रूप से एक ओर से मस्टायड कैबिटी से सुनाई देता है, इसरे कान में सबनार्मल अवण वाले कान/मस्टायड कैबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-नक्लोकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड कैबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की अवणता अवगमन लगाकर अवणा बिना लगाए सुधर कर 30 डेर्सीमल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।

5. बहुत रहने वाला कान-प्रापरेशन किया या/विना आपरेशन वाला

6. नासापट की हड्डी सम्बन्धी/विस्तारी (बोनी डिफारमिटी) महत्व अधिक उससे रहित नाक की जीण प्रदाहक/एलजिक वाशा

(2) यदि लक्षणों सहित नासापट अक्षयकरण विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य।

7. टासिल्स श्रीरथा स्वर मंत्र (लैरिक्स) की जीण प्रदाहक वाशा।

(1) टासिल श्रीरथा स्वर यन्त्र (लैरिक्स) की जीण प्रदाहक वाशा-योग्य।

8. कान, नाक, नाले (इंटो एन्टो टी०) के हूले अधिक अपने स्थान प्रयोग्य।

(1) हूल द्यूमर अस्थाई रूप से पर दुर्बल द्यूमर।  
(2) हूल द्यूमर अयोग्य।

9. आस्टेकिपरोसिम

श्रवण यन्त्र का गहाना से या आपरेशन के बाद अवणता 30 डेर्सीमल के अवधर दूर्नि पर योग्य।

10. कान, नाक अधिक गले के जन्म-जात दोष।

(1) यदि कान काज में बाक्क हो तो योग्य।  
(2) भारी भाक्का में हल्काहट हो तो अयोग्य।

11. नेजल बीली।

(क) उम्मीदवार बोलने में हक्कलाता/हक्कलासी नहीं हो।  
(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हो या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जल्दी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनाक्ट अच्छी है या नहीं और छाती काफ़ी फैलती है या नहीं उसका दिल या केफ़डे ठीक है या नहीं।

(घ) उसे रञ्चर है या नहीं।

(छ) उसे हाईड्रोसील, बढ़ी हुई बैरिकांसिल, बैरिका-ज़िशिरा (बन) या बवासीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनाक्ट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी अंगिथियां भली-भांसि स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई विरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात करचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमज़ोर गठन का पता नहीं।

(ठ) कारग टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेशन) रोग है या नहीं।

11. दिन और फेफड़ों की किमी प्रती विनक्षणता का पता लगाने के लिए जो साथारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, सभी भागों में रूप से छाती की एकम-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

मरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहाँ कहीं सदैह हों पर्याकिता बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अध्यवाच अवागम्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयोगक्त अस्पताल के विशेषज्ञ में परामर्श कर सकता है, उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक ब्रूटि अध्यवाच विषयन (एवरेशन) से पीड़ित होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल से किसी मनोविज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मैडिकल परीक्षक को अपनी राय विश्व देनी चाहिए कि उम्मीदवार गे अपेक्षित दक्षतापूर्ण छूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मैडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु. 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस भिलंगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएं तो शेष दूसरों के बारे में यह जब्त कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के बाद अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी त्वास्थ्य परीक्षा केवल नहीं दिली में ही होंगी और इसका लक्ष उम्मी-दारों के ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में भी की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भरता या दौनिक भरता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा नी जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए मैडिकल (कार्मिक तथा प्रशासनिक मध्यांक विभाग) द्वारा वापस्यक कारबाइंड की जाएगी।

#### मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल परीक्षक जे मार्गदर्शन के लिए नियमितवात सूचना दी जाती है:—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टॉचड़ में संभित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल यदि हो, जे लिए उचित ग्राहक रखनी चाहिए।

किसी एसे अविक्षित के प्रतिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियंत्रित प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) के यह तस्वीरी नहीं होती कि उसे एसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाड़ी इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना कि वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति भे डम्मीदवारों द्वारा भागमें भूमिका मूल्य होने

पर समय पूर्व पेशन या अवायवियों को शेकना है। साथ ही यह भी नीट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस द्वारा में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम रिस्तियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया जाये हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सवस्य होंगे (1) एक कार्य विकित्सक (2) एक शल्य विकित्सक और (3) एक नेत्र विकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य सभान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सार्विकी सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होती। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मैडिकल बोर्ड की इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जहाँ जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो भाईं तौर पर उसके वस्तीकार किए जाने के जाभार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यापार नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी विकित्सा (जीवध या शल्य) द्वारा क्षुर हो सकती है वह डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस बाध्य का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार के बोर्ड की राय सुनित किए जाने में कोई अपील नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपरिस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाइ तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो द्वारा परीक्षा की जावधि साथारणसमा कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। नियुक्ति अवधि के बाद जब द्वारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार जो और जागे की जवाबिकी के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर जियकिता के लिए उसकी योग्यता के संबंध में अवधा जे हो नियुक्ति के लिए अयोग्य है एसे नियम अंतिम कम से दिया जाना चाहिए।

#### (क) उम्मीदवार का कथन तौर पर

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार के निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटेंट देनी चाहिए और उनके साथ नगी होइ योग्यता (फिटनेस) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए भौम भें उल्लिखित ज्ञानवानी की ओर उम्मीदवार को विवेचन स्पष्ट रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें . . . . .

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें . . . . .

3. (क) क्या अनुसृति जाति या गोत्ता, गङ्गाली,

असमिया, नागालैंग जनजाति आदि में से किसी जाति से सम्बद्ध है जिसका जीवित भूलूली के रूप से

होता है 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हाँ' में हाँ तो उस जाति का नाम बताइए।

(स) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा भूखार, गंधियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनसे पीप पड़ना, थूक में लून आना, दमा, विल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के शौरे, रमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

#### अधिकारी

(ख) बूसरी कोई बीमारी या दूर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, है?

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या बूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नवननेस है?

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित और

यदि पिता जीवित	मृत्यु के समय	आपके कितने	आपके कितने
हो तो उनकी	पिता की आयु	भाई जीवित हैं,	भाइयों की मृत्यु
आयु और	और मृत्यु का	उनकी आयु	हो चुकी है,
स्वास्थ्य की	कारण	और स्वास्थ्य	उनकी आयु और
अवस्था		की अवस्था	मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित	मृत्यु के समय	आपकी कितनी	आपकी कितनी
हो तो उसकी	माता की आयु	महिने जीवित हैं,	बहिनों की मृत्यु हो
आयु और	और मृत्यु का	उनकी आयु और	चुकी है मृत्यु
स्वास्थ्य की	की कारण	स्वास्थ्य की	के समय उनकी
अवस्था		अवस्था	आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इसके पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?
8. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बताइये किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।
9. परीक्षा सेवे वाला प्राधिकारी कौन था?
10. कब और कहाँ मैडिकल बोर्ड हुआ?
11. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो वथवा आपके मालूम हो

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर गिरे गए सभी जबाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर . . . . .  
मेरे सामने हस्ताक्षर किए . . . . .

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर . . . . .

नं ३ :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक नियुक्ति भत्ता (स्पर्धा-एनाएन अलाउंस) या उपदान (प्रेस्ट्रॉटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास . . . . . अस्त्रा . . . . . बीच का कम . . . . . कम पोषण : पतला औसत . . . . . मोटा . . . . .  
कद जूते उत्तरकर . . . . . वजन . . . . . अत्यतम वजन . . . . . कब था? . . . . .  
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन . . . . . तापमान . . . . . छाती का घंटे . . . . .

- (1) पूरा सांस खींचने पर . . . . .
- (2) पूरा सांस निकालने पर . . . . .
2. त्वचा . . . . . कोई अहिरती बीमारी
3. मन्त्र . . . . .
- (1) कोई बीमारी . . . . .
- (2) रसांशी . . . . .
- (3) कलर विजन का दोष . . . . .
- (4) दीप्ति नेत्र (फील्ड आफ विजन) . . . . .
- (5) दीप्ति तीक्षणता (चिजुबल एक्वीटी) . . . . .
- (6) फण्डस की जांच . . . . .

दृष्टि की तीक्ष्णता	चरमे के बिना	चरमे से	चरमे की अमता गोल बर्तुल एक्सेस
दूर की नजर	दा० ने०	दा० ने०	
मी	दा० ने०	दा० ने०	
पास की नजर	दा० ने०	दा० ने०	
हाईपर बैट्रोपिया	दा० ने०	दा० ने०	
(श्वक्त)	दा० ने०	दा० ने०	

4. कान : निरीक्षण . . . . . सूनना . . . . .  
कान . . . . . धायां कान . . . . . धाया
5. ग्रंथियां . . . . . थाइराइड . . . . .
6. वातां की हालत . . . . .
7. इवसन तंत्र (रेपायरटरी सिस्टम) — क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के थंगों में से किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यांग्य बताएं।
8. परिसंचरण तंत्र (स्कूलरेटरी सिस्टम)

(क) त्वावय: कीर्फ़ आंगिक गति (आगोंनिक लीज़न)

गति (रेट) —

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाब . . . . .  
कुदाए जाने के 2 गिरट बाब . . . . .

(ख) ब्लड प्रैशर . . . . . सिस्टालिक . . . . .  
. . . . . डायस्टालिक।

9. उदर (पेट) . . . . . घेर . . . . . स्पर्श सहसा हर्निया :—

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिवर . . . . .  
तिल्ली . . . . . गुद . . . . .  
द्यूमर . . . . .

(ल) रक्तार्थ  
भगवंदर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक अशक्तता भगवंदर का संकेत . . . . .

11. चालसंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) की असमानता . . . . .

12. घनत मूत्र संत्र (जैनिरी यूरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसील वर्टिकल आदि का कोई संकेत। मूत्र परीक्षा :—

- (क) कैसा विष्वार्ह पड़ता है?
- (ख) अपेंश्ट गुरुत्व (स्पैसिफिक प्रॉबिटी)।
- (ग) एल्बूमन
- (घ) शक्तर
- (झ) कास्ट
- (च) कोशिकाएं (सैल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य से कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट : मीहिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भीणी है तो उसे अस्थार्ह रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, वर्ष्ये विविध 9।

15. (1) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांस्थिकी सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया।

(i) क्या उम्मीदवार अंत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है?

नोट : बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन बगाँ में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए?

- (i) योग्य (फिट)
- (ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण . . . . .
- (iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण . . . . .

स्थान . . . . .

तारीख . . . . .

अध्यक्ष . . . . .  
सदस्य . . . . .  
सदस्य . . . . .

उद्योग, और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली-1, विनांक 21 विसम्बर 1984

आवेदन

सं. 27/12/84 सी० एस०-२—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री ए० के० दोषी, संयुक्त निदेशक (निरीक्षण) को कम्पनी कार्य विभाग में कथित धारा 209-के उद्देश्यों के लिये प्राप्तिकृत कृती है।

सी० एस० प्रथम, अवर गविय

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, विनांक 27 विसम्बर 1984

संकल्प

सं. 11(194)/83-खान-1—भूवैज्ञानिक प्रोफ्रामिंग बोर्ड, जिसकी स्थापना, तरकालीन खान और धारु मंत्रालय के विनांक 27 जुलाई, 1966 के संकल्प, संख्या 1/73/66-एम० 1 के साथ पठित 10 दिसम्बर, 1969 के संख्या 11/75/69, एम० 1, विनांक 27 मार्च, 1971 के संकल्प एफ० २००१६/१/७० एम० 1 तथा विनांक 31 अगस्त, 1973 के संख्या 11/43/73 एम० 1, द्वारा की गई थी, के गठन के प्रश्न, पर पुनः विचार किया गया है और यह निर्णय किया गया गया है कि विनांक 27-7-66 के संकल्प संख्या 1/73/66 एम० 1 के पैरा 4 में उल्लिखित बोर्ड का गठन अब इस संकल्प के अनुबंधमें किए गए उल्लेख के अनुसार होगा।

आवेदन

आवेदन विया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधित जो भेज दी जाए।

यह भी आवेदन विया जाता है कि संकल्प वो व्यापक जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

विसम्बर प्रसाद तिवारी, निवेशक

संकल्प का अनुबंध

1. सचिव, इस्पात और खान मंत्रालय,  
खान विभाग, नई दिल्ली।

अध्यक्ष

2. महानिवेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक संबंधण, कलकत्ता।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक प्रतिनिधि :

- (i) कर्जा भवानीय
- (ii) रमायन और उर्वरक भवालालय
- (iii) रक्षा मंत्रालय
- (iv) जहाजरानी तथा नरिवहन मंत्रालय
- (v) इस्पात विभाग
- (vi) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
- (vii) योजना आयोग
- (viii) अंतरिक्ष विभाग
- (ix) महा सागर विकास विभाग
- (x) पर्यावरण विभाग
- (xi) परमाणु कर्जा विभाग

4. प्रत्येक से एक प्रतिनिधि :

- (i) भारतीय खान अमूरो
- (ii) भारतीय संवेदन विभाग
- (iii) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग
- (iv) केन्द्रीय धू-जल बोर्ड
- (v) खनिज विकास बोर्ड
- (vi) खनिज गैषेषण निगम लि०
- (vii) केन्द्रीय विद्युत प्राप्तिकरण
- (viii) केन्द्रीय जल आयोग
- (ix) राष्ट्रीय पनविजिसी विद्युत निगम लि०
- (x) राष्ट्रीय मौसम प्रयोगशाला
- (xi) राष्ट्रीय धू-भौतिकी अनुसंधान संस्थान
- (xii) केन्द्रीय ईधन अनुसंधान संस्थान

5 पर्याप्त गत्यम सरकार के दो प्रतिनिधि। गत्यम के दो-दो सचिव और निदेशक खनन एवं भवन तथा	1 प्रतिनिधि, योजना आयाग, योजना भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
6 केन्द्र शासित क्षेत्रों के प्रतिनिधि—प्रत्येक के दो-दो सचिव और निदेशक खनन एवं भवन।	2 प्रतिनिधि, गृषि मन्त्रालय, (वन माननीरीक्षक), गृषि भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
7 पूर्वोत्तर परिषद का एक प्रतिनिधि	3 प्रतिनिधि, भारतीय मानक संस्थान, मानक भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
8 जी० एम०आई० प्रबन्ध बोर्ड का एक प्रतिनिधि	4 प्रतिनिधि, रसायन एवं उर्बरक मन्त्रालय, रसायन विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
9 सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित खनन उपकरण का एक-एक प्रतिनिधि	5 प्रतिनिधि, रसायन एवं उर्बरक मन्त्रालय, रसायन विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
(i) हिन्दुस्तान निकल लिंग।	6 प्रतिनिधि, भारतीय मानक संस्थान, मानक भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
(ii) हिन्दुस्तान कापर लिंग।	7 प्रतिनिधि, रसायन एवं उर्बरक मन्त्रालय, रसायन विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।	सदस्य
(iii) भारत गोल्ड माइन्स लिंग।	8 प्रतिनिधि, मैसर्स कैमिकल्स एड अलाइज़ प्रोडक्ट्स, निर्यात संबद्धन परिषद, विश्व व्यापार केन्द्र, 14/1, जी० एम० एड लिंग।	सदस्य
(iv) कोल इंडिया लिंग।	9 प्रतिनिधि, मैसर्स विमको लिमिटेड, बमर्ई।	सदस्य
(v) कोल माइन्स प्लानिंग तथा हिंजाइन संस्थान	10 प्रतिनिधि, मैसर्स विमको लिमिटेड, बमर्ई।	सदस्य
(vi) भारतीय हस्पात प्राधिकरण	11 प्रतिनिधि, अखिल भारतीय विद्यासालाई, उद्योग, मंडल, शिक्षकार्यालय, तमिलनाडु।	सदस्य
(vii) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम	12 प्रतिनिधि, तमिलनाडु स्टेट, मैच इंडस्ट्रीज को-ऑपरेटिव, सचूर, तमिलनाडु।	सदस्य
(viii) सीमेस्ट कारपोरेशन आफ इंडिया	13 प्रतिनिधि, खादी प्रामोशोग, आयोग, बमर्ई।	सदस्य
(ix) मैगनीज और इंडिया लिंग।	14 प्रतिनिधि, नामिका निम्नलिखित है—	सदस्य-सचिव
(x) भारत एन्यूमिनियम कम्पनी निं०निशनल एन्यूमिनियम कम्पनी लिंग।	(1) विद्यासालाई उद्योग की नियमिती की विकास नामिका का नियमन प्रकार से गठन करने का निर्णय किया है—	सदस्य-सचिव
(xi) मिगरेंटी कोल रोज़, कम्पनी लिंग।	(2) प्रौद्योगिक विकास विभाग, तकनीकी विकास महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1984।	सदस्य
10 गैर सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित खनन उपकरणों का एक-एक प्रतिनिधि	सदस्य	
(i) टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी	(i) मूल्यांकन एवं उत्पादन कम्पनी	
(ii) इंडियन एल्यूमिनियम कम्पनी	(ii) इंडियन माइनिंग एसोशियेशन	
(iii) इंडियन माइनिंग एसोशियेशन	(iii) फैडरेशन आफ इंडियन खनिज इंडस्ट्रीज।	
(iv) फैडरेशन आफ इंडियन खनिज इंडस्ट्रीज।	11. सर्वज्ञानिक सरथाप्रो/नमितियों में से प्रत्येक का एक प्रतिनिधि।	
(i) यूवेजानिक खनन और धातु विज्ञान संस्थान	(i) यूवेजानिक खनन और धातु विज्ञान संस्थान	
(ii) ज्यूलोप्रिक्स सोसायटी आफ इंडिया	(ii) ज्यूलोप्रिक्स सोसायटी आफ इंडिया	
(iv) वाइक्स इस्टीट्यूट आफ हिमालयन ज्यूलोजी	(iv) वाइक्स इस्टीट्यूट आफ हिमालयन ज्यूलोजी	
12 भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का एक घरिण्ठ अधिकारी	सदस्य सचिव	
(प्रौद्योगिक विकास विभाग)		
तकनीकी विकास महानिवेशालय		
नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1984।		
सकल		
मं० डी० उठल्य० आई०-६१ (८४)/एम०/एम०—भारत सरकार ने इस सफलत के जारी होने की नियम से दो वर्ष की अवधि के लिए विद्यासालाई उद्योग की विकास नामिका का नियमन प्रकार से गठन करने का निर्णय किया है—		
नामिका निम्न प्रकार से है—		
1 श्री एन० विकास	प्रधानमंत्री	
उप मंत्रा निवेशक,		
तकनीकी विकास महानिवेशालय,		
उद्योग भवन, नई दिल्ली।		
2 प्रतिनिधि	मंत्री	
उद्योग मंत्रालय,		
उद्योग भवन नई दिल्ली।		
3. प्रतिनिधि,	मंत्री	
विकास आयोग,		
अमृ उद्योग, निर्माण भवन,		
नई दिल्ली।		

(4) सामग्री एवं ऊर्जा संरक्षण के मानदंडों के बारे में सलाह देना, उनमें कमी करने के प्रयास, दक्षता और उत्पादिकता में मुद्दार करने के बारे में अध्ययनों की सिफारिश करना ।

(5) नये उच्चारों में अर्थात् एवं अपेक्षित उत्पादन के बारे में सलाह देना, उत्पाद, उसके कच्चे मालों व अवयवों के आयात प्रतिस्थापन के बारे में सुझाव देना ।

(6) उत्पाद, उसके कच्चे मालों व अवयवों के आयात प्रतिस्थापन के बारे में सुझाव देना ।

(7) निर्माता प्रजनन के बारे में सुझाव देना ।

(8) उद्योग के हित में नामिका द्वारा उचित समझे जाने वाले अन्य मुद्दों के बारे में सुझाव देना भीर,

(9) कच्चे मालों और उपभोक्ता क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए उद्योग के क्षेत्रीय विकास के विभिन्न पहलुओं पर सलाह देना ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

RULES FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1985

New Delhi-1, the 12th January 1985

No. 9/3/84-CS.II.—The Rules for Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, in 1985 for the purpose of filling temporary vacancies in the following service/posts (and for such other service/posts as may be included by the Commission in their Advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information:—

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI.
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service-Grade II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service-Lower Division Grade.
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service-Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerks in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi.
- (vii) Posts of Lower Division Clerks in the Office of the Inspector General of Indo-Tibetan Border Police, Delhi.
- (viii) Posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission.

Preference in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidate at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of the written examination.

2. The number of vacancies to be filled on the basis of the results of the examination will be specified in the advertisement issued by the Commission in the newspapers. Reservation will be made for candidate who are ex-serviceman, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. (i) Ex-servicemen means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as a non-combatant), in the Armed Forces of the Union, including the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineering Force, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation, and

श्रावण  
भारत दिया जाता है कि इम संकल्प की एक-एक प्रति सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आवेदा दिया जाता है कि शाम सूचना के निम्न इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के. मो. मंजुवाल, निदेशक (प्रणाली)

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग  
नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसंबर 1984

प्रादेश

सं. 12-6/84-विक्री कर एकाक केश सरकार उर्वरक (नियंत्रण) अंदेश, 1957 की शारा 1 की उपधारा (ख) के अनुसरण में एवं उद्धारा श्री बी० के० तैमिरी, संयुक्त सभिर (उर्वरक) कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) को श्री एम० ए० वहूल के स्थान पर उर्वरक नियंत्रक नियुक्त करती है।

घनश्याम निहू अपर प्रतिव

- (a) has been released, otherwise than at his own request by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or
- (c) has been released at his own request, after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

(ii) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) order 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) order 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) order 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories Order, 1951) as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes order, 1956 and the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes order 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

(iii) physically handicapped person means a person belonging to any of the following categories:—

- (a) *The Deaf* :—The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear and understand sound at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing loss more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) of total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically handicapped* :—In Orthopaedically handicapped are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in appendix I to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

(1) Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

(2) Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department, which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August, 1985 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1960 and not later than 1st August, 1967.

(b) Ex-servicemen fulfilling the conditions laid down in para 3(i) above shall be allowed to deduct military service from their actual age and such resultant age should not exceed prescribed age limit by more than three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

**RULE :** The period of "call up service" of an ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service concerned in the Armed Forces for purpose of Rule 5(b) above.

(c) The upper age limit in all these cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced persons from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribes and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of India origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of India origin from Sri Lanka and has migrated to India on or before 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya,

Uganda and the United Republic of Tanzania or a repatriate of India origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia

- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, or in peace time & released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area or in peace time and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, (For candidates belonging to SC or ST who are physically handicapped the maximum relaxation of ten years permissible for physically handicapped persons shall be in addition to the age relaxation provided in terms of Column (i):
- (xv) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not remarried.

(d) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compilers/Store-Keepers in the various Departments/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks as on 1-8-1985 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and attached Offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service; (ii) Indian Foreign Service (B); (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service and to persons who are ex-servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-servicemen.

(e) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-8-1985 and who continue to be so employed.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for only vacancies in the Central Secretariat Clerical Service.

(f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of service clerks in the last years of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period 2nd August 1985 to 1st August, 1986. Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations, which are not reserved for ex-servicemen.

(g) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-8-1985 and who continue to be so employed.

(h) Upper age limit is also relaxable upto 35 years for the Staff Car Drivers who are educationally qualified for appointment to the post of L.D.Cs and who have not less than 3 years of continuous service in the grade, in accordance with DP&AR's O.M. No. 22011/15/81-Estt(D), dated 4-7-1983.

(i) Upper age limit is also relaxable for the retrenched temporary Central Government employees of the Directorate of Census Operations in the States/UTs in accordance with DP&AR's O.M. No. 14024/6/81-Estt(D) dated 5-7-82 and 10-5-84.

NOTE 1: Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate offices of P&T Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5(d) above.

NOTE 2: The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(d), Rule 5(c) and Rule 5(g) above, is liable to be cancelled if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by this Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

NOTE 3: A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

NOTE 4: Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Office Department participating in the Ministry of External Affairs will be eligible to appear at the examination provided that the Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continues to have lien on the post of Telephone Operator for the time being.

NOTE 5: The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of this rule are concerned. They will not be required to appear at the typewriting test forming part of this examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk, failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operator recommended by the Commission shall be inducted only in I.F.S. (B) Grade VI.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to Matriculation Certificate for entry into services.

NOTE 1: A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified

for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualification examination will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2: In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justified his admission to the examination.

7. No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B),

Grade VI.

8. A candidate already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a 'No Objection Certificate' from his office before being allowed to take the Typewriting Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE: In the case of the disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds certificate of admissible from the Commission.

12. Candidates except ex-serviceman released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:

(i) Obtaining support for his candidature by any means, or

(ii) Impersonating,

(iii) Procuring impersonation by any person, or

(iv) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing materials information, or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) using unfair means in the examination hall, or

(viii) misbehaving in the examination hall, or  
 (ix) attempting to commit, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, as liable :—  
 (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or  
 (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—  
 (i) by the Commission from any examination or Selection held by them;  
 (ii) by the Central Government from any employment under them; and  
 (c) to disciplinary action under appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks final awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the basis of results of the examination.

Provided that the candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of General standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the basis of results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services/posts at the time of this application.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at its discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/Post.

H. G. MANDAL, Under Secy.

#### APPENDIX—I

The examination will consist of two parts, viz., Part I—written examination, and Part-II—Typewriting Test.

**PART-I Written Examination:**—The subjects of the written examination the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed
I	English Language	150	1½ Hours
II	General Knowledge	150	1½ Hours

**PART-II—Typewriting Test:**—The Typewriting Test will consist of one paper on Running matter of 10 minutes duration.

2. The question paper on "English Language" and "General Knowledge" will be of the "Objective Type".

3. Only these candidates who attain, at the written examination, a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e., Part II of the scheme of Examination.

4. Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination. (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

**NOTE 1.**—Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidates must indicate their Roll Numbers and the date of the Typewriting Test which they have passed.

**Note 2.**—A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability, may with the prior approval of the Chairman, Staff Selection Commission, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test, provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the competent medical authority i.e. the Civil Surgeon, declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

5. Candidates will be required to bring their own Typewriter for the Typewriter Test. Typewriter with the standard size roller will do for the test.

6. Candidates are allowed the option to take the typewriting test in Hindi (in Devanagri Script) or in English.

7. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagri Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that he would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a language other than the one opted for by the candidates.

8. The syllabus for the written examination will be shown in the schedule to this Appendix.

9. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

10. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

#### SCHEDULE

#### SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDING IN PART-I WRITTEN EXAMINATION

##### I. ENGLISH LANGUAGE AND GENERAL KNOWLEDGE

(a) English Language: Questions will be designed to test candidates' knowledge of English Grammar, Vocabulary, spellings, synonyms and antonyms, his power to understand and comprehend the English Language, and his ability to discriminate between correct and incorrect usage, etc.

(b) General Knowledge: Candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, Current events, every-day Science and such matter of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

## APPENDIX-II

Brief particulars relating to services/Posts to which recruitment is being made through this Examination.

## A. CENTRAL SECRETARIAT CLERICAL SERVICE :

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :—

- (i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
- (ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the Crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade 'D' Stenographers' Examination after rendering not less than two years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 50 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of this Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

## B. RAILWAY BOARD SECRETARIAT CLERICAL SERVICE :

The Service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways, so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Services Rules, 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

- (i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
- (ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf, permanent or regularly appointed Lower Division Clerks who have completed 5 years approved and continuous service in the Lower Division Grade of Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service held by the Ministry of Railways after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The Upper Age limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules :—

- (i) will be eligible for pensionary benefits and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railways Staff.

9. As regards leave and other conditions of service, Staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

## C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B) GRADE VI :

The scale of pay : Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-10-400.

Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B) are eligible for promotion to Grade V in the pay scale of Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 on completion of eight years of service in the grade.

2. Officers of Grade V of the Indian Foreign Service (B) will in turn be eligible for appointment to Grade IV of the Service in the pay scale of Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800 on completion of five years of service in the grade.

3. Officers of Grade VI of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for promotion to Grade III of 'Stenographers' sub-Cadre of the Service in the pay scale of Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 on completion of required number of years of service in the grade, on the basis of a Limited Departmental Examination.

4. Such officers of Grade VI, who are graduates, will be eligible for appointment to the grade of Assistant in the Sub-Cadre of IFS(B) in the pay scale of Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800 on completion of required number of years of service in the grade through a Limited Departmental Examination.

5. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

6. During service abroad, IFS(B) officers, are granted service allowances in addition to their basic pay, at rates which may be varied from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition the following concessions are also admissible during service

abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad upto a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India as may be defined by the Government;
- (iv) Annual return air passage for children between the age of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions;
- (v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the Officer is met by the Government subject to certain conditions.
- (vi) Outfit allowances—Rs. 1,750/- per posting abroad;
- (vii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

7. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the service will be governed by the relevant provisions of the Indian Foreign Service (B) (Recruitment Cadre, Selection and Promotion) Rules, 1964, and also by any other rules or orders which Government may hereafter make.

#### D. ARMED FORCES HEADQUARTERS CLERICAL SERVICE :

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grade as follows :—

Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from amongst Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in the Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in India/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, Medical aid and other conditions of service will be same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

#### E. DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS :

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Department is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-EB-390-10-400.

Candidates appointed to the service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

#### F. INDO-TIBETAN BORDER POLICE :

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-390-10-400.

Candidates appointed to those posts on the basis of results of this examination will be on probation for a period of two years.

#### G. CENTRAL VIGILANCE COMMISSION AND ELECTION COMMISSION :

- 1. The scale of pay for the Lower Division Clerks in the Commissions is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
- 2. The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the C.S.C.S.
- 3. The persons appointed will be on probation for a period of two years.
- 4. They will be eligible for promotion to the grade of Upper Division Clerks after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in the case of Election Commission.

#### RULES

New Delhi, the 12th January, 1985

No. 11013/1/84-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1985 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.
- 2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.
- 3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

- 4. A candidate must be either :—
  - (a) a citizen of India, or
  - (b) a subject of Nepal, or
  - (c) a subject of Bhutan, or
  - (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
  - (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1985 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1959 and not later than 1st January, 1964.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

(viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(xiv) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years' Military Service as on 1st January, 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1985) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment;

(xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years' Military service as on 1st January, 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1985) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973.

(xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or posses an equivalent qualification.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September, 1985.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an under-taking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission with holding permission to the candidates' applying for/attending at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

(1) obtaining support for his candidature by any means, or

(ii) impersonating, or

(iii) procuring impersonation by any person, or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) using unfair means during the examination, or

(viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or

(xi) Violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or

(xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses

may in addition rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying the relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies recovered for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in preference indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

P. G. LELE  
Director (ES)

**APPENDIX I**

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

Sl No	Subject	Code No	Maximum Marks	Time Allowed
1	2	3	4	5
<b>Q Indian Economic Service</b>				
1	General English	01	150	3 hrs
2	General Studies	02	150	3 hrs
3	General Economics I	200		
Part I	03	50 marks	Part-I-1 hrs.	
Part II	04	150 marks	Part-II-2 hrs	
4	General Economics II	200		
Part I	05	50 marks	Part-I-1 hr	
Part II	06	150 marks	Part-II-2 hrs	
5	Indian Economics	200		
Part I	07	50 marks	Part-I-1 hr	
Part II	08	150 marks	Part-II-2 hrs	

N.B.—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

B. Indian Statistical Service

1. General English	01	150	3 hrs
2. General Studies	02	150	3 hrs
3. Statistics I	09	200	3 hrs.
4. Statistics II	10	200	3 hrs.
5. Statistics III	11	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see "Candidates Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

**3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.**

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Lending or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers.

(Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

### THE SCHEDULE

#### PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

#### GENERAL ENGLISH (CODE NO. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

#### GENERAL STUDIES (CODE NO. 02)

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of Indian and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

#### GENERAL ECONOMICS I (CODE NO. 03 FOR PART I AND 04 FOR PART II)

Theory of consumer's demand: Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production; Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value: Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution; Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics: Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

#### GENERAL ECONOMICS-II (CODE NO. 05 FOR PART—I AND 06 FOR PART-II)

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.  
L-401GI/84

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning: Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics: Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money: Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives: Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical average and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

#### INDIAN ECONOMICS (Code No. 07 for Part I and 08 for Part II)

Basic features of the Indian economy: Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade. Concept of balanced growth.

Planning: Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture: New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation: its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry: Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises; Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour: Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade: Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking: Organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

**Public Finance** : Fiscal Policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

### STATISTICS—I (Code No. 09)

**NOTE:—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET**

#### Probability (40 per cent weight)

Elements of measure theory. Classical definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of  $m$  events out of  $n$ . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variable—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

#### Statistical methods (45 per cent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of  $\bar{x}$ ,  $S^2$ ,  $t$ , chi-square and  $F$ ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

#### Numerical Analysis (15 per cent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

### STATISTICS—II (Code No. 10)

**NOTE:—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET**

#### Linear Models (25 per cent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of  $g$ -inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

#### Estimation (25 per cent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood

estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

#### Hypothesis testing (25 per cent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

#### Multivariate Analysis (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's  $T^2$  statistic. Mahalanobis's  $D^2$  statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

### STATISTICS—III (Code No. 11)

**NOTE: ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS. NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS WILL BE SET.**

#### PART(a) (Compulsory for all)

#### Sampling Techniques (35 per cent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

#### Economic Statistics (25 per cent weight)

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method, Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

#### PART (b)

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF FOLLOWING TOPICS

#### (i) Statistical Quality Control and Operations Research (40 per cent weight)

Different kinds of control charts of variable and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M|M|I, M|M|C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 per cent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompert curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and pastcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 per cent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in  $2^n$  and  $3^k$  experiments. Split-plot and strip-plot design. Construction, and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 per cent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

*Viva Voce*.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250

(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension for officer of the two Service will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Service Group 'A'.

8. Condition of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

## APPENDIX III

## REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment

2. In the matter of the correlation of age height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels calve buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6 (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision or without glasses.

Distant vision	Near vision
Better eye (Corrected vision)	Worse eye (Corrected vision)
6/9 6/9	6/9 or 6/12
	J-I      J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision.*—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A. and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to

result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is employopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the, candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

#### 7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows.—

(i) With young subjects 15-25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether

the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Some times as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; these may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board

will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequency of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit.

Under Improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides.—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently discharging ear operated/unoperated

Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.

(8) Benign or locally malignant tumours of the ENT

(i) Benign tumours—Temporarily Unfit.

Malignant Tumours—Unfit.

(9) Otosclerosis.

If the hearing is within 01 Decibels after operation with the help of hearing aid—Fit.

(10) Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(11) Nasal Poly

Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Dept. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

#### *Medical Board's Report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that

the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad-terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

#### *(a) Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (in block letters) .....
2. State your age and birth place .....
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race. .....
3. (a) Have you ever had smallpox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting

of blood, asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis .....

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. When were you last vaccinated ? .....

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ? .....

6. Furnish the following particulars concerning your family:-

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death
1.			
2.			
3.			

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death
1.			
2.			
3.			

7. Have you been examined by a Medical Board before ? .....

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for .....

9. Who was the examining authority ? .....

10. When and where was the Medical Board held ? .....

11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature .....

Signed in my presence .....

Si nature of the Chairman of the Board

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical Examination

1. General development : Good..... fair.....  
Poor.....

Nutrition : Thin..... Average..... Obese.....  
Height (without shoes) ..... weight .....

Best Weight ..... When ?..... any recent change in weight ? ..... Temperature .....

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration) .....

(2) (After full expiration) .....

2. Skin : Any obvious disease .....

3. Eyes :

(1) Any disease .....

(2) Night blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity .....

(6) Funds examination .....

Quantity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glasses	
	Sph	Cyl.	Achs
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection ..... Hearing : Right Ear .....  
Left Ear .....

5. Glands ..... Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?  
If yes, explain fully .....

8. Circulatory System :

(a) Heart Any organic lesion ? ..... Rate  
Standing .....  
After hopping 25 times .....  
2 minutes after hopping .....

(b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....

9. Abdomen : Girth ..... Tenderness .....  
Hernia .....

a() Palpable : Liver ..... Spleen .....

Kidneys ..... Tumour .....

(b) Haemorrhoids ..... Fistula .....